

[Shri A. B. A. Ghani Khan Chau-  
dhuri]

concerned, when RAP is okay, the shortage is 13.9 per cent. And when RAP is not okay, the shortfall is much more because there is no supply there. Actually, that creates a lot of difficulties for us, and also for Rajasthan. With regard to UP, the present shortfall is 21.9 per cent. It was something like 46.2 per cent in 1979. Now things have improved. But they have not improved as they should have. For this, we are going to discuss this matter tomorrow.

With regard to the Central directive, if any State does not listen to our directive, I can assure you that I will stop their rural electrification. I will not give them.

**AN HON. MEMBER:** Who will suffer then? Only people and farmers.

**MR. DEPUTY-SPEAKER:** Now Motion for Election to Committee.

**SHRI ZAINUL BASHER:** Sir, the Minister has not given a reply.

**MR. DEPUTY SPEAKER:** Now item 11

13.04 hrs.

**ELECTION TO COMMITTEE  
COIR BOARD**

**THE MINISTER OF STATE IN THE  
MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND  
IN THE DEPARTMENT OF PAR-  
LIAMENTARY AFFAIRS (SHRI P.  
VENKATASUBBAIAH):** On behalf  
of Shri Charanjit Chanana, I beg to  
move:

"What in pursuance of sub-rule (1) (e) of rule 4 of the Coir Industry Rules, 1954, the members of the House do proceed to elect in such manner as the Speaker may direct, two members from among themselves to serve as members of the Coir Board for a term to be specified by the Central Government."

**MR. DEPUTY-SPEAKER:** The question is:

"That in pursuance of sub-rule (1) (e) of rule 4 of the Coir In-

dustry Rules, 1954, the members of this House do proceed to elect, in such manner as the Speaker may direct, two members from among themselves to serve as members of the Coir Board for a term to be specified by the Central Government."

*The motion was adopted.*

13.06 hrs

**MATTERS UNDER RULE 377**

(1) ACCUMULATION OF WATER IN  
VILLAGES IN SURATGARH TEHSIL,  
RAJASTHAN

**श्री मनकल सिंह चांधरी (बीकानेर):**  
उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन  
निम्न वक्तव्य देता हूँ:

राजस्थान की सुरतगढ़ तहसील में षण्णर बाढ़ का पानी जी.एफ.सी. नहर द्वारा तथा राजस्थान नहर की आर.डी. 165 के अक्षेप से पानी छोड़ कर 18 डिपरेषन पानी से भर दिये गये हैं और इस पानी का निकास नहीं किया गया है और यह 30 किलोमीटर के लगभग लम्बी, चार किलोमीटर चौड़ी तथा 20 फुट गहरी भील बन चुकी है। जहाँ यह पानी भरा हुआ है, उसके बन्ध रेत के टीले हैं। इन बालू रेत के टीलों में से पानी रिसता है, भरता है और इस भील के उत्तरी साइड में उपजाऊ जमीन है और इन बालू रेत के किनारों के पास लगभग 22 गांव बसे हुए हैं। इन गांवों में बड़ोपल, किसनपुरा, मानकथेडा जिलानियां, ढाढियावाली बिलकल पानी से घिर गये हैं। यहाँ तक कि जिलानियां और ढाढियावाली गांव खाली कर दिये हैं। सेमें से तमाम मकान गिर गये हैं और इन गांवों की जमीनों में सेमे का पानी भर गया है। खेती तथा फसल नाम की कोई चीज नहीं है और फसल की जगह एरा ही एरा नजर आ रहा है। इन गांवों के किसानों की जमीन सेमे के पानी में डूब गई है। ये लोग बिना घर और बिना जमीन के हो गये हैं। इन किसानों की हालत देखते ही बनती है। इनके पास मुजारे का कोई साधन नहीं है। इस वर्ष बड़ोपल, मानकथेडा गांव के